



भारत का राजपत्र The Gazette of India

CK 148/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

राष्ट्रपति से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 161]
No. 161]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 18, 1986/आषाढ़ 27, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 18, 1986/ASADHA 27, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1986]

विज्ञापन सूचना

सं. 3/4/86-विज्ञापन:— 9 जुलाई, 1986] का] श्री चन्द्र शेखर] त्रिड के निम्न से देश ने एक महान् विज्ञापक
और परिपक्व प्रशासक को दिया है।

2. उनका जन्म 17 अगस्त, 1927 को बिहार के बंगलगाँव, सासाराम जिले में हुआ था। उन्होंने पटना
कालेज से एम. ए. का डिग्री प्राप्त की। उन्होंने सन् 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया।

3. सर्वप्रथम वे सन् 1952 में बिहार विधान सभा के निम्न का] त्रिड के निम्न से देश ने एक महान् विज्ञापक
और परिपक्व प्रशासक को दिया है।
सन् 1969 में राज्य में विधान सभा के लिए पुनः चुना जाते के बाद वे कैबिनेट मंत्री बन गए और 1975 तक मंत्री पद
पर रहे। वे पहली बार सन् 1980 में लोक सभा के निम्न चुने गए और सन् 1983 में केन्द्रिय ऊर्जा राज्य मंत्री
बने, परन्तु शीघ्र ही मुख्य मन्त्र का कार्यभार सभालने के लिए राज्य में वापस भेजे गए। इस पद पर दो वर्ष तक
रहने के बाद उनका पुनः केन्द्रीय मन्त्रिपरिषद में वापसी और धन मन्त्रालय का स्वतंत्र कार्यभार सीमा और राज्य मन्त्र
के रूप में लिए गए और इस हीनयत में उन्होंने छः महान् काम किया। वे दिसम्बर, 1985 में एक उप-चुनाव में पुनः
लोक सभा में आए। वे जनवर, 1986 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय में राज्य मन्त्र (स्वतंत्र कार्यभार)
बने।

4. उन्होंने बिहार के मुख्य मन्त्री और केन्द्र में राज्य मन्त्री के रूप में उत्साह और निष्ठा से देश को सेवा की।
उनका मृत्यु स दश ने एक योग्य प्रशासक और बुद्धिमान राजनेता को दिया है।

सी. जी. सोमैया, सचिव]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 1986

OBITUARY

No. 3/4/86-Public.—In the death of Shri Chandra Shekhar Singh on the 9th July, 1986, the nation has lost a great patriot and a seasoned administrator.

2. He was born on the 17th August, 1927 at Bangrahata Village, Samastipur District, Bihar. He took his M.A. Degree from Patna College. He participated in the Quit India Movement in 1942.

3. He was first elected to the Legislative Assembly of Bihar in 1952 and continued as Member for 10 years. On his re-election to the State Assembly in 1969, he became a Cabinet Minister and held ministerial post till 1975. He was elected to the Lok Sabha for the first time in 1980 and became a Union Minister of State for Energy in 1983, but returned to the State soon to assume the mantle of Chief Ministership. After holding this office for about two years, he rejoined the Council of Ministers at the Centre as Minister of State with independent charge of Supply and Textiles and served in this capacity for six months. He was returned to the Lok Sabha in a bye-election in December, 1985. He became Minister of State for Petroleum and Natural Gas (Independent charge) in January, 1986.

4. He served the country with earnestness and dedication as Chief Minister of Bihar and as Minister of State at the Centre. In his death the country has lost an able administrator and a wise statesman.

C. G. SOMIAH, Secy